



Vijay shing



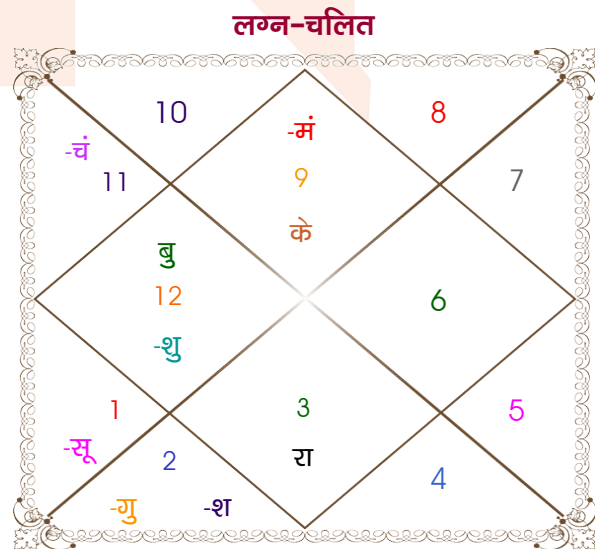
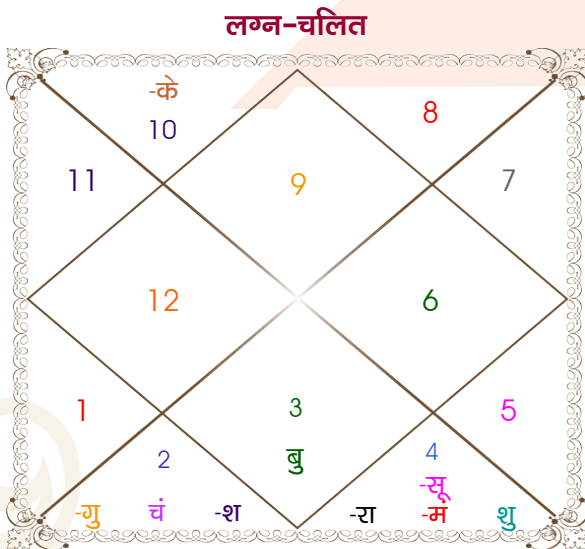
Sanjana kvar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120950104

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 27/07/2000 : _____ जन्म तिथि _____ 18-19/04/2001
 गुरुवार : _____ दिन _____ बुध-गुरुवार
 घंटे 18:30:00 : _____ जन्म समय _____ 01:00:00 घंटे
 घटी 31:22:12 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 47:09:19 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Jaitaran : _____ स्थान _____ Ajmer
 26:14:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 26:29:00 उत्तर
 74:00:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 74:40:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:34:00 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:31:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:57:07 : _____ सूर्योदय _____ 06:05:21
 19:23:59 : _____ सूर्यास्त _____ 18:56:29
 23:51:39 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:52:13

विंशोत्तरी चन्द्र 1वर्ष 8मा 0दि राहु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 14वर्ष 4मा 10दि गुरु
29/03/2009	27:35:37	धनु	लग्न	धनु	27:04:22	29/08/2015
29/03/2027	10:55:37	कर्क	सूर्य	मेष	04:56:43	29/08/2031
राहु	21:06:30	वृष	चंद्र	कुंभ	09:21:43	गुरु
10/12/2011	03:12:36	कर्क	मंगल	धनु	02:16:05	16/10/2017
04/05/2014	21:13:54	मिथु	बुध	मीन	29:50:42	29/04/2020
10/03/2017	11:20:32	वृष	गुरु	वृष	17:05:59	04/08/2022
28/09/2019	23:36:27	कर्क	शुक्र व	मीन	07:37:26	11/07/2023
15/10/2020	05:13:49	वृष	शनि	वृष	05:52:53	11/03/2026
16/10/2023	00:44:49	कर्क	राहु व	मिथु	15:25:00	29/12/2026
09/09/2024	00:44:49	मक	केतु व	धनु	15:25:00	29/04/2028
11/03/2026	25:33:45	मक व	हर्ष	कुंभ	00:17:49	04/04/2029
29/03/2027	11:19:44	मक व	नेप	मक	14:46:21	29/08/2031
	16:26:54	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:08:22	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

टपरंलीपदह का वर्ग मृग है तथाँदरंदं अंत का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपरंलीपदह औरँदरंदं अंत का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टपरंलीपदह मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टपरंलीपदह कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु टपरंलीपदह कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ँदरंदं अंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ऎदरंदं अंत कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपरंलीपदह कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपरंलीपदह तथा ऎदरंदं अंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।